

## उत्तर प्रदेश में बृहद् ऋण मेले का शुभारंभ

### चर्चा में क्यों?

30 जून, 2022 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन में आयोजित समारोह में बृहद् ऋण मेले का शुभारंभ किया।

### प्रमुख बंदि

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 9 हस्तशिल्पियों, कारीगरों एवं उद्यमियों को दिये गए ऋण का प्रतीकात्मक चेक सौंपा।
- सभी 75 जनपदों में आयोजित बृहद् ऋण मेले के इस कार्यक्रम के अंतर्गत 'प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम', 'प्रधानमंत्री मुद्रा योजना', 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना', 'एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण योजना' आदि के 1 लाख 90 हजार लाभार्थी हस्तशिल्पियों, कारीगरों एवं उद्यमियों को 16 हजार करोड़ रुपए के ऋण का वितरण किया गया।
- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर वर्ष 2022-23 की 2.95 लाख करोड़ रुपए की वार्षिक ऋण योजना का वमिचन किया साथ ही कार्यक्रम के दौरान 'एक जनपद एक उत्पाद योजना' के अंतर्गत 5 जनपदों-आगरा, अंबेडकरनगर, सीतापुर, आजमगढ़, सद्धारथ नगर में स्थापित कॉमन फैसलिटी सेंटर का उद्घाटन किया।
- कॉमन फैसलिटी सेंटर की स्थापना से 'एक जनपद एक उत्पाद योजना' के हस्तशिल्पियों, कारीगरों, उद्यमियों को आधुनिक तकनीकी से जुड़ने का अवसर मल्लिगा। इससे उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर होगी और आय में वृद्धि होगी।
- मुख्यमंत्री के समक्ष कार्यक्रम के दौरान अपर मुख्य सचिव एमएसएमई नवनीत सहगल एवं अमेजॉन के वीपी पॉलिसी चेतन कृष्ण स्वामी के मध्य एक एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। इसके तहत अमेजॉन छोटी इकाइयों को अपने उत्पादों के नरियात में सहायता करेगा। अमेजॉन छोटी इकाइयों को डिजिटिइज करने का कार्य किया जा रहा है। इसके लिये अमेजॉन द्वारा कानपुर में एक डिजिटल केंद्र स्थापित किया जा रहा है। यह गुजरात राज्य के सूरत के बाद अमेजॉन द्वारा देश में स्थापित दूसरा केंद्र होगा।
- ज्ञातव्य है किकानपुर में अमेजॉन के डिजिटल केंद्र का शुभारंभ किया गया है। इस केंद्र के माध्यम से एमएसएमई हस्तशिल्पियों, कारीगरों, उद्यमियों को देश-वदिश में अपने उत्पादों की मार्केटिंग में सहूलयित होगी।
- इसके अतरिकित प्रदेश के 35 जनपदों में सडिबी के सहयोग से स्वावलंबन केंद्रों का शुभारंभ किया गया है। यह केंद्र नये उद्यमियों की हैड होल्डिंग का कार्य करेंगे। भवषिय में प्रदेश के सभी जनपदों में यह केंद्र स्थापित किये जाएंगे।
- मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कबृहद् ऋण मेले का कार्यक्रम एमएसएमई वभिग की 100 दिनी की कार्ययोजना का हसिसा है। एमएसएमई उद्यमियों को ऋण की उपलब्धता से आर्थिक गतविधियाँ तेजी से आगे बढेंगी। इससे युवाओं को रोजगार मल्लिगा। साथ ही, बैंकों का सी.डी. रेशथि भी बढेगा।
- उल्लेखनीय है किक 24 जनवरी, 2018 को 'एक जनपद एक उत्पाद योजना' लागू की गई। वर्तमान में यह योजना उत्तर प्रदेश को एक्सपोर्ट का हब बनाकर नई पहचान दलिा रही है। वर्ष 2016 में प्रदेश से लगभग 80 हजार करोड़ रुपए का नरियात होता था, जो अब बढकर 1.56 लाख करोड़ रुपए का हो गया है। इससे वर्तमान में प्रदेश की बेरोजगारी दर 3 प्रतशित से कम है।
- एमएसएमई मंत्री ने कहा किक प्रदेश सरकार द्वारा वार्षिक ऋण योजना 2020-21 के तहत 2 लाख 12 हजार 934 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया गया। एमएसएमई कषेत्र में 83,061 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया गया है, जो वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष 115 प्रतशित है। वार्षिक ऋण योजना 2022-23 के अंतर्गत 2.95 लाख करोड़ रुपए के ऋण वितरण का लक्ष्य रखा है।